• 6 राज्य
• 2 केंद्रशासित प्रदेश
• 22 संस्करण

राजधानी •
वर्ष 23 | अंक 265 | पृष्ठ : 14+8+16
मूल्य : चार रुपये

अमर उजाला

नई दिल्ली
शुक्रवार, 2 जनवरी 2026
पौष शुक्ल-चतुर्दशी
विक्रम संवत-2082

उपलब्धि
डीआरडीओ में बने हथियारों की ऑपरेशन सिंदूर में रही निर्णायक भूमिका...9

दिल्ली-एनसीआर

यमुना सिटी में देश-विदेश के 5 विश्वविद्यालयों ने मांगी जमीन

उद्योग के साथ एजुकेशन सिटी के तौर पर भी विकसित हो रहा क्षेत्र

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। उद्योग ही नहीं शिक्षा के क्षेत्र में भी यमुना सिटी की अलग पहचान बन रही है। यहां जेबीएम यूनिवर्सिटी के बाद अब नरसी मोंजी डीम्ड यूनिवर्सिटी ने भी निर्माण शुरू करने की तैयारी कर ली है। इसके अलावा देश-विदेश के पांच और प्रमुख संस्थाओं ने सीईओ से यमुना प्राधिकरण के क्षेत्र में जमीन मांगी है।

सीईओ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि सेविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंसेज ने 250 एकड़ जमीन मांगी है, जोकि करीब 3000 करोड़ रूपये का निवेश करेगा। मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए प्रमुख संस्था एमडीआई गुरुग्राम ने 50 एकड़ जमीन मांगी है। एमडीआई करीब 1000 करोड़ का निवेश करेगा। लिंक यूनिवर्सिटी कॉलेज मलेशिया को 100 एकड़ जमीन की जरूरत है।

उन्होंने करीब 2000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव दिया है। अमेरिकन लीडरशिप एकेडमी ने भी 100 एकड़ जमीन मांगी है जोकि 1000 करोड़ रुपये निवेश करेगी। शारदा एजूकेशनल ट्रस्ट ने भी अपना कैंपस खोलने के लिए 50 एकड़ जमीन मांगी है। संस्थान की बड़ी योजना यहां के लिए है। करीब 5000 करोड़ रुपये का निवेश इसमें प्रस्तावित है।

नरसी मोंजी डीम्ड यूनिवर्सिटी का नक्शा यमुना प्राधिकरण ने स्वीकृत कर दिया है। प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि शिक्षण संस्थाओं को अभी यमुना सिटी के सेक्टर-17 और 22ई में भूखंड दिए जा रहे हैं। दोनों सेक्टर एजुकेशन सिटी या नॉलेज पार्क के तौर पर विकसित हो जाएंगे। देश में मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए प्रसिद्ध नरसी मोंजी का महाराष्ट्र के बाहर आना भी यमुना सिटी के लिए महत्वपूर्ण होगा। 35 एकड़ में अपना कैंपस संस्थान बना रहा है। यहां एक डीम्ड यूनिवर्सिटी की योजना पर संस्थान काम कर रहा है। वहीं, मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए अब यूपी और आसपास के राज्यों के बच्चों को दूर नहीं जाना होगा। जेबीएम अपना निर्माण इसी साल पूरा कर लेगा। इससे भी उच्च शिक्षा का बड़ा केंद्र यहां बनेगा।

यमुना सिटी में ही हो सकेगी उपकरणों की सुरक्षा जांच, 8 जनवरी को होगा अनुबंध

गामा रेडिएशन सेंटर के अलावा 13 अन्य लैब के लिए किया ब्रिट के साथ अनुबंध

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी के मेडिकल डिवाइस पार्क में ही चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा जांच और जरूरी सर्टिफिकेट कंपनियों को मिल सके, इसके लिए गामा रेडिएशन सेंटर बनाया जाना है। इसके लिए आठ जनवरी को मुंबई में बोर्ड ऑफ रेडिएशन एंड आइसोटोप टेक्नोलॉजी (ब्रिट) के साथ समझौता किया जाएगा।

अधिकारियों का कहना है कि यमुना सिटी के सेक्टर-28 में मेडिकल डिवाइस पार्क में अलग-अलग लैब चिकित्सा उपकरण बनाने के लिए निवेश करने वाली कंपनियों की सुविधा के लिए बनाई जानी है। यह साझा सुविधा के तौर पर काम करेंगी। इसी में एक गामा रेडिएशन सेंटर भी तैयार किया जाना है। इसके लिए एक अनुभवी एजेंसी की जरूरत होगी जोकि मुंबई स्थित बोर्ड ऑफ रेडिएशन एंड आइसोटोप टेक्नोलॉजी (ब्रिट) की निगरानी में रखरखाव व संचालन की जिम्मेदारी संभालेगी। इसी के लिए अनुबंध ब्रिट के साथ किया जाना है। आठ जनवरी को उनकी टीम यीडा आएगी।

100
से अधिक भूखंड का आवंटन

अभी तक 100 से अधिक भूखंड का आवंटन यहां हो चुका है। सात कंपनियां यहां निर्माण शुरू कर चुकी हैं। वहीं एक कंपनी ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है। इन कंपनियों को सभी जरूरी तकनीकी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 13 लैब की स्थापना की जा रही है, ताकि उन्हें बाहर निर्भर न रहना पड़े।

एसीईओ शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि मेडिकल डिवाइस पार्क में बनने वाली 13 लैब को लेकर स्टेकहोल्डर्स के साथ बैठक हो चुकी है। इनके बेहतर संचालन और रखरखाव के लिए भी एक एजेंसी का चयन किया जाना है। इसकी प्रक्रिया भी जल्दी शुरू हो जाएगी।